Chapter No-13

विशेषण तथा विशेष्य

विशेषण

परिभाषा :- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। विशेषण कहलाते हैं। → विशेष्य

जैसे :- यह [भूरी] [गाय] है।
[भूरी] → विशेषण

⇒ विशेष्य :- जिसकी विशेषता बताई जाए, विशेष्य कहलाते हैं।-

⇒ विशेषण के दो प्रकार (प्रयोग की दृष्टि से) :-

Ⓘ विशेष्य विशेषण :- जहाँ विशेषण विशेष्य से पहले आता है।-

↳ राम [चंचल] [बालक] है।-
चंचल → विशेषण, बालक → विशेष्य

Ⓘⓘ विधेय विशेषण :- जो विशेषण, विशेष्य एवं क्रिया के बीच में आए

↳ मेरा [कुत्ता] [काला] [है] → क्रिया
कुत्ता → विशेष्य, काला → विशेषण

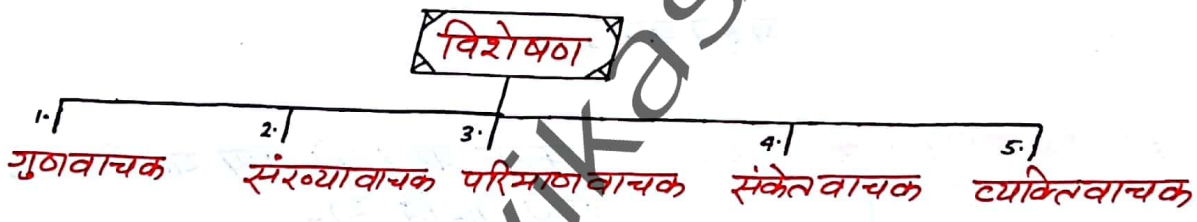

1. गुणवाचक :- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्द के गुण-दोष, रूप-रंग, आकार, स्वाद, दशा, अवस्था, स्थान आदि की विशेषता प्रकट करते हैं।-

गुण - वह एक अच्छा आदमी है।-
रंग - काली टोपी, लाल रूमाल
आकार - उसका चेहरा गोल है।
अवस्था - भूखे पेट भजन नहीं होता।-

2. संख्या वाचक :- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम (विशेष्य) की संख्या का बोध कराते हैं।-

① निश्चित संख्या वाचक
② अनिश्चित संख्या वाचक

vikas chauhan

Scanned by CamScanner

निश्चित संख्या वाचक :- वे शब्द जो विशेष्य की निश्चित संख्या का बोध कराते हैं।-

जैसे :- मेरी कक्षा मे 50 छात्र हैं।-

(i) गणना वाचक :- एक, दो, तीन

(ii) क्रम वाचक :- पहला, दुसरा, तीसरा

(iii) आवृत्ति वाचक :- दुना, तिगुना, चौगुणा

(iv) समुदाय वाचक :- दोनो, तीनो, चारो

(v) प्रत्येक बोधक :- प्रत्येक, हर-एक, दो-दो, सवा-सवा

गणना वाचक
- पूर्णांक बोधक - एक, दो, चार, सौ, हजार etc.
- अपूर्णांक बोधक - पाव, आध, पौन, सवा etc.

NOTE :-
पुरुष - पौरुष (भाववाचक संज्ञा)
पुरुष - पौरुषेय (विशेषण)

अनिश्चित संख्या वाचक :- वस्तुओ की संख्या अनिश्चित होती है।
→ कुछ लोग, सब आदमी, कुछ देर, बहुत कम,

परिमाण वाचक विशेषण :- किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध कराते है।-
→ सेर भर दुध, तोला भर सोना,

संकेत वाचक या सार्वनामिक विशेषण :- जो शब्द सर्वनाम होते हुये भी संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता प्रकट करे।-

जैसे :- (वह) नौकर नही आया।
(यह) घोड़ा अच्छा है।-

व्यक्ति वाचक विशेषण :- जिन शब्दो की रचना व्यक्तिवाचक संज्ञा से होती है।-
→ इलाहाबाद - इलाहाबादी, जयपुर - जयपुरी, बनारस - बनारसी

ex :- बनारसी साडी महँगी होती है।-

vikas chauhan

Scanned by CamScanner

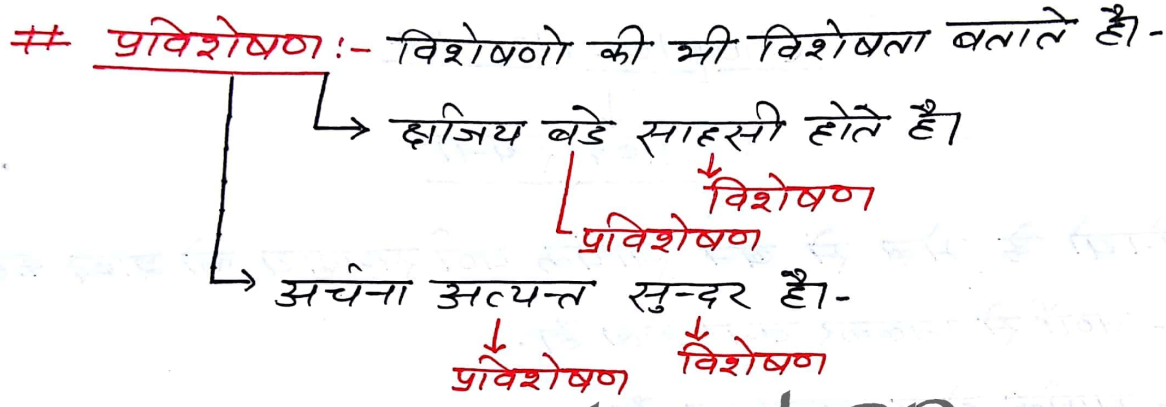

vikas chauhan

Scanned by CamScanner

Chapter No - 14

↓ शब्द रचना

हर्वनियो के मेल से बने सार्थक वर्ण समुदाय को शब्द कहते है

I- वर्णो से मिलकर बना होता है।-

II- सार्थक होना आवश्यक है।

↳ क + म + ल = कमल , क + ल + म = कलम

म + क + ल = मकल (सार्थक नही है)

(पद) → शब्द जब वाक्य में अर्थवाचक बनकर आये तब पद कहलाता है।-

जैसे :- राम (शब्द)

(राम) पुस्तक पढता है।

↓

पद

vikas chauhan

शब्द के भेद

- अर्थ - सार्थक , निरर्थक
- प्रयोग - विकारी , अविकारी
- उत्पत्ति - तत्सम , तदभव , देशज , विदेशी
- व्युत्पत्ति/रचना - रूढ , यौगिक , योगरूढ

परिवर्तन

means ↓

विकारी :- जिन शब्दो पर लिंग , वचन , कारक के अनुसार परिवर्तन आता है।-

जैसे :- लडका पढता है। लडकी पढती है। — Gender

लडका पढता है। लडके पढते है। — Number

① संज्ञा ② सर्वनाम ③ विशेषण ④ क्रिया

अविकारी :- जिन शब्दो मे परिवर्तन न हो

जैसे - परन्तु , तथा , यदि , धीरे-धीरे

Scanned by CamScanner

व्युत्पत्ति के आधार पर

① **रूढ शब्द** :- जो शब्द हमेशा किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हो तथा जिनके खण्डों का कोई अर्थ न निकले।-

या

वे शब्द जो परम्परा से किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या प्राणी आदि के लिए प्रयोग मे होते चले आ रहे हो-

जैसे – नाक (ना + क) अर्थहीन , राम (रा + म) No means

② **योग रूढ** :- जो शब्द अन्य शब्दो के योग से बनते हो, परन्तु एक विशेष अर्थ के लिये प्रसिद्ध होते है।- या जो साधारण अर्थ को छोड़ विशेष अर्थ ग्रहण करे।-

यौगिक + रूढ

जैसे :- लम्बोदर = लम्ब (लम्बा) + उदर (पेट) } यौगिक – गणेशजी (रूढ शब्द)

द्र. दशानन = दश (10) + आनन (मुख) } यौगिक – रावण (रूढ शब्द)

③ **यौगिक शब्द** :- अन्य शब्दों के योग से बने हो तथा प्रत्येक खण्ड का कोई अर्थ हो।-

- विद्यालय = विद्या + आलय
- डाकघर = डाक + घर
- घुड़सवार = घुड़ + सवार

} example



vikas chauhan

Scanned by CamScanner